रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

लॉकडाउन समाप्त होने के पश्चात रादुविवि जारी करेगा परीक्षा कार्यक्रम

राजभवन द्वारा मांगी गई बिन्दुवार जानकारी तैयारी करने में लगा विवि प्रशासन

ज्बलपुर 16 अप्रैल। लॉकडाउन समाप्त होने की घोषणा के पश्चात रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी शिक्षण विभागों का परीक्षा कार्यक्रम तैयार कर जारी किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर कवायद शुरू हो गई है। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन समाप्ति के पश्चात् रादुविवि की परीक्षाएं किस तारीख से प्रारंभ होंगी और किस तारीख पर खत्म होंगी, उपरोक्त सहित अन्य बिन्दुओं पर जानकारी प्रदान करने के लिए विवि प्रशासन के पास राजभवन की ओर से एक पत्र भी प्राप्त हुआ था।

राजभवन द्वारा प्राप्त पत्र के निर्देशों का पालन करते हुए उपरोक्त पत्र में दिए गए प्रत्येक बिन्दुओं की जानकारी के लिए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की ओर से सभी शिक्षण विभागों को भी निर्देशित कर दिया गया है। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए विवि कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्र ने बताया कि राजभवन की ओर से प्राप्त पत्र में अब तक सम्पन्न ऑनलाईन इंटरेक्टिव क्लासेस की संख्या, विवि की वेबसाईट पर विवि द्वारा अपलोड किए गये वीडियो लेक्चर्स की संख्या, विवि की वेबसाईट पर विवि द्वारा अपलोड किए गये ऑडियो लेक्चर्स की संख्या, विवि की वेबसाईट पर विवि द्वारा अपलोड किए गये पीडीएफ लेक्चर्स की संख्या। विवि की वेबसाईट पर विवि द्वारा अपलोड किए गये पीपीटी लेक्चर्स की संख्या, अब तक प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या, ऑनलाईन क्लासेस की दैनिक समय सारणी आदि की जानकारी मांगी गई है।

विवि शिक्षण विभागों में जारी है ऑनलाईनलाईन शैक्षणिक गतिविधियां–

रादुविवि में लॉकडाउन के चलते छात्रों की ऑनलाइन क्लासेस सतत् जारी हैं। लॉकडाउन के दौरान छात्रों की पढ़ाई निरंतर जारी रहे इसके लिए ऑनलाइन क्लासेस व शैक्षणिक गतिविधियों की कवायद की जा रही है। विवि के माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विवि के शिक्षकों को फेसबुक, यूट्यूब, जूम ऐप, वाट्सएप आदि ऑनलाइन टूल्स की मदद से लाइव क्लासेस व शैक्षणिक गतिविधियों को लेकर निर्देश जारी किए थे, जिनपर अमल किया जा जा रहा है। विवि के बीपीएड विभाग, पत्रकारिता विभाग, एमबीए विभाग, संस्कृत विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग सहित अन्य विभागों में शिक्षकों द्वारा इन टूल्स का उपयोग करके स्टूडेंट्स को ऑनलाइन अध्यापन कराया जा रहा है ताकि स्टूडेंट्स की पढ़ाई का नुकसान न हो।